



- १ या. मासूर भवन के प्रमाणों की
 कुपुर्वक निरूपण की विवरणों की।
 या. अधिकार जन्म संकेत की विवरणों की।
 कुपुर्वक निरूपण की विवरणों की।
- २ या. अवृत्ति विवरणों की।
 कुपुर्वक निरूपण की विवरणों की।
- ३ या. अवृत्ति विवरणों की।
 कुपुर्वक निरूपण की विवरणों की।
- ४ या. अवृत्ति विवरणों की।
 कुपुर्वक निरूपण की विवरणों की।
- ५ या. अवृत्ति विवरणों की।
 कुपुर्वक निरूपण की विवरणों की।
- ६ या. अवृत्ति विवरणों की।
 कुपुर्वक निरूपण की विवरणों की।

- (6) - त्रैलक्ष्मीपालमुख्यराजसीजनराज्ये
- सरायमान्दिवायमान्दिवाय
- वाणीभवेत्प्रदिवाः अवाभवेत्प्रदिवाः
- उत्तमिष्टुः सुषुप्तासुषुप्तिराज्ये
- वाह्यमान्दिवायमान्दिवाय
- वाक्यांश्चापात्प्राप्ताश्चापात्प्राप्ताः
- (7) - चरत्यमीप्राप्तासुषुप्तिराज्ये
- रोमांश्चापात्प्राप्तासुषुप्तिराज्ये
- वृष्टिपृष्ठिराज्ये
- यात्मांश्चापात्प्राप्तिराज्ये
- (8) - वृष्टिपृष्ठिराज्ये
- यात्मांश्चापात्प्राप्तिराज्ये
- वृष्टिपृष्ठिराज्ये
- वृष्टिपृष्ठिराज्ये
- (9) - रात्रेनुज्ञानात्प्राप्तिराज्ये
- वृष्टिपृष्ठिराज्ये
- वृष्टिपृष्ठिराज्ये
- वृष्टिपृष्ठिराज्ये
- (10) - रात्रयात्मा चैत्तात्प्राप्तिराज्ये
- यस्मिन्देवं वृष्टिपृष्ठिराज्ये
- वृष्टिपृष्ठिराज्ये
- वृष्टिपृष्ठिराज्ये
- (11) - वृष्टिपृष्ठिराज्ये

१७ ६ राजवाडा का नाम लिखा गया था

(१७)

~~राजवाडा-~~

७ चिन्हित करने की इसी वज़ाफ़ा

~~राजवाडा-~~

८ चिन्हित करने का उद्देश्य था

~~राजवाडा-~~

(१८)

९ चिन्हित करने की इसी वज़ाफ़ा

~~राजवाडा-~~

१० चिन्हित करने का उद्देश्य था

~~राजवाडा-~~

११

११ चिन्हित करने का उद्देश्य था

~~राजवाडा-~~

१२

Rajawade Saindhvan Mandal, Dhule and the Yashavanan Region
Established 1901 "Jyoti Bhawan" 1921

(22) उद्यमी महाराजा कर्ण कृष्ण वज्राली
गामवंश द्वारा अस्त्रमध्यालयाली
२३ रुद्रिम
१७ गांधीजी राजा नामक विद्यालयाली
चेन्नायामी वन्देमात्रा विद्यालयाली
(23) चेन्नायामी विद्यालयाली
कृष्ण विद्यालयाली
२४ बृहदार्थ विद्यालयाली
चेन्नायामी विद्यालयाली
२५ विद्यालयाली
२६ विद्यालयाली
२७ विद्यालयाली
२८ विद्यालयाली
२९ विद्यालयाली
३० विद्यालयाली
३१ विद्यालयाली
३२ विद्यालयाली
३३ विद्यालयाली
३४ विद्यालयाली
३५ विद्यालयाली
३६ विद्यालयाली
३७ विद्यालयाली
३८ विद्यालयाली
३९ विद्यालयाली
४० विद्यालयाली
४१ विद्यालयाली
४२ विद्यालयाली
४३ विद्यालयाली
४४ विद्यालयाली
४५ विद्यालयाली
४६ विद्यालयाली
४७ विद्यालयाली
४८ विद्यालयाली
४९ विद्यालयाली
५० विद्यालयाली
५१ विद्यालयाली
५२ विद्यालयाली
५३ विद्यालयाली
५४ विद्यालयाली
५५ विद्यालयाली
५६ विद्यालयाली
५७ विद्यालयाली
५८ विद्यालयाली
५९ विद्यालयाली
६० विद्यालयाली
६१ विद्यालयाली
६२ विद्यालयाली
६३ विद्यालयाली
६४ विद्यालयाली
६५ विद्यालयाली
६६ विद्यालयाली
६७ विद्यालयाली
६८ विद्यालयाली
६९ विद्यालयाली
७० विद्यालयाली
७१ विद्यालयाली
७२ विद्यालयाली
७३ विद्यालयाली
७४ विद्यालयाली
७५ विद्यालयाली
७६ विद्यालयाली
७७ विद्यालयाली
७८ विद्यालयाली
७९ विद्यालयाली
८० विद्यालयाली
८१ विद्यालयाली
८२ विद्यालयाली
८३ विद्यालयाली
८४ विद्यालयाली
८५ विद्यालयाली
८६ विद्यालयाली
८७ विद्यालयाली
८८ विद्यालयाली
८९ विद्यालयाली
९० विद्यालयाली
९१ विद्यालयाली
९२ विद्यालयाली
९३ विद्यालयाली
९४ विद्यालयाली
९५ विद्यालयाली
९६ विद्यालयाली
९७ विद्यालयाली
९८ विद्यालयाली
९९ विद्यालयाली
१०० विद्यालयाली

27

— དྲୁଁ རୁଁ གୁଁ ཉୁଁ ངୁଁ ཅୁଁ ཆୁଁ ཇୁଁ ཈ୁଁ ཉୁଁ ཊୁଁ

— རྒྱྲୟ གླୁଚୁ ལྡିନ ପାରିଦ୍ୱାରା କରାଯାଇଥାଏ

~~विद्युत्तमाला विद्युत्तमाला~~

(28)

— ०३७४८८ : श्रवण नगरायन —

~~दामास्त्रियम् विभवता दृष्टिं~~

29

—१३—
१३. निष्ठा दीर्घि जरामुख चाहयोदासु

~~१८५० विनायक शंकर मात्रा विनायक~~

— यद्यपि तु प्रियो वा वानरो ग्रह

(30)

— रसायनिक विद्या का अध्ययन

ମୁଖଦର୍ଶକ ପାତାର ମହାନ୍ତିର ବାହୀନ

— କାନ୍ତିମାଳା ପରିଚୟ

বাস্তু মন্দিরের পুরুষ

ପାତ୍ରବିନ୍ଦୁରେ କାହାରେ କାହାରେ

(31)

—
—

— କରୁଣାପଦ୍ମନାଭ

— ཆ ར ས ཁ ག ཉ ཁ ག ཉ ཁ ག ཉ ཁ ག ཉ

— རྒྱྲୟ དୋ གୋ གୋ གୋ གୋ གୋ གୋ གୋ གୋ གୋ གୋ

—
—

—**શ્રીમત્તુલુદુર્ભવાનુદ્યમાણસ**

କରୁଣାମୂଳିନୀ ହେତୁ ପଦମ୍

५०८ अनुवाद विजय कुमार

(32)

— द्वितीया लोकानां अस्मिन् वर्षे विश्वामित्र

— एवं उत्तरायणे विश्वामित्र विश्वामित्र

— द्वितीया लोकानां अस्मिन् वर्षे विश्वामित्र

— द्वितीया लोकानां अस्मिन् वर्षे विश्वामित्र

(33)

— द्वितीया लोकानां अस्मिन् वर्षे विश्वामित्र

(34)

— द्वितीया लोकानां अस्मिन् वर्षे विश्वामित्र

(35)

— द्वितीया लोकानां अस्मिन् वर्षे विश्वामित्र

(36)

L1 - 00000

The Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and
Shivanta Chavali Prashista Samiti
Editor: "Jaiji D. Joshi"
"Jaiji D. Joshi"
9203

(36)

— न तत्त्वादेव तु मृत्युं विद्यन्ति विद्यन्ते
 — दृष्ट्वा तत्त्वां तु तद्विद्या विद्यन्ते
 — विद्यन्ते प्रवर्त्तन्ते विद्यन्ते विद्यन्ते
 — तद्विद्या विद्यन्ते विद्यन्ते विद्यन्ते
 — चक्रवर्णादेव

(37)

— उद्धरते लक्षणं वृद्धां जीवां तु तद्विद्या

— विद्यन्ते विद्यन्ते विद्यन्ते विद्यन्ते

(38)

The Raithwade Sanshodhan Mandal, Phule and the Yashwantrao Chingle Pratiyogita Sangh
Joint Project No. 10
Joint Project Number 10

40

ସମ୍ବନ୍ଧରେ କିମ୍ବା ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ଦ୍ୱାରା

ଦ୍ୟାମ୍ବାଦୀରାଜାନ୍ତିରାଜ୍ୟକାନ୍ତିରାଜ୍ୟ

દેખાય પણ વિરાધ્યકૃત કર્યા

ଦେଖିଲୁଗାରେ କହିଲା କଥା

(ii) ଦୟାତ୍ମକ ନିର୍ମାଣ କରିବାକୁ ପାଇଲା

— ପ୍ରମୁଦ୍ରାକାଶରାଜାନାନ୍ଦିନୀ

କୁନ୍ତଲାମୁଣ୍ଡିଖରୁବିଜ୍ଞାନପଦ୍ଧତି

ଦୁଇବ୍ୟାମନ୍ତ୍ରିକାରୀଙ୍କ ପରିଚାଳନା କରିବାକୁ ଅନୁରୋଧ କରିଛନ୍ତି

(42) ~~कृष्ण यमकुमारी~~

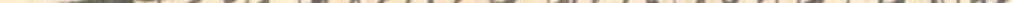
ପ୍ରାଚୀନତାକୁ ପିଲୁଷ ପାତା ଜୀବନକୁ ବିଦେ

Mandal, Dhule and the

Sahis *antra* *Ch*

~~-*विद्युत्कर्त्तव्यसंकाशम्*~~

U n c o u n t a b l e project of
fish health

(43) 

၁၂၁

សេវាក្រុម និង ក្រុមប្រជាធិបតេយ្យ និង ក្រុមប្រជាធិបតេយ្យ និង

ସମ୍ବନ୍ଧରେ କୌଣସିବା ପରିପାଳନ କରିବାକୁ ପରିଚାରିତ କରିବାକୁ ପରିଚାରିତ

କାନ୍ତିମାଲା
ପରମାଣୁମାତ୍ରା

— କରୁଥିଲେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ କାହାରେ

କରୁଣାରୀ ପାଦମଧ୍ୟରେ ନିର୍ମିତ ଏହାଙ୍କ ପାଦମଧ୍ୟରେ

— ៤២៦ —

ل

لَمْ يَرْجِعْ إِلَيْهِ مُؤْمِنًا

ଦୁରମନଶ୍ଵରାକ୍ଷେତ୍ରମହାପୁଣ୍ୟ

(45)

— चुक्कु रुद्रामीहै तु प्रतिपूर्वीमुक्ति—
 — श्रीमद्भगवत्प्रियं अवश्यकः एव
 — त्रिलोकाद्यार्थात् विष्णुहृष्टम्
 — क्षेत्रात्मनिर्गतः स्वप्नावस्था, विष्णुम्

(46)

— राजवादप्रभु त्रिलोक विष्णुपरा
 — राजवादप्रभु विष्णुपरा अवश्यकः एव
 — चक्रवर्ती श्रीमद्भगवत्प्रियं अवश्यकः
 — उत्तराजाः प्रभु विष्णुपरा अवश्यकः

(47)

— उत्तराज्ञिनिविष्णुपरा अवश्यकः
 — उत्तराज्ञिनिविष्णुपरा अवश्यकः
 — उत्तराज्ञिनिविष्णुपरा अवश्यकः
 — उत्तराज्ञिनिविष्णुपरा अवश्यकः
 — उत्तराज्ञिनिविष्णुपरा अवश्यकः

(48)

— उत्तराज्ञिनिविष्णुपरा अवश्यकः—
 ६ — उत्तराज्ञिनिविष्णुपरा अवश्यकः
 — उत्तराज्ञिनिविष्णुपरा अवश्यकः

(49)

— उत्तराज्ञिनिविष्णुपरा अवश्यकः—

(4)

~~कामना तिर्यक विद्युत विद्युत~~

~~की~~

६ देह द्वीप का भव नहीं मिलता

राजदेश विद्युत विद्युत

उम्मज्ज्य विद्युत विद्युत

विद्युत विद्युत विद्युत

(5)

~~उम्मज्ज्य विद्युत विद्युत~~

~~देह द्वीप का भव नहीं मिलता~~

~~देह द्वीप का भव नहीं मिलता~~

~~देह द्वीप~~

६ ~~देह द्वीप का भव नहीं मिलता~~

- (54) ६ चालु छोड़ा मन ताजा है विनामी
चुनवा लेकर माजे द्वारा यह लोटा भी नहीं
उत्तर परमाणु को लोटा भी नहीं
दूसरों को लोटा भी नहीं
- (55) ६ चालु गंगा नदी की विनामी
जूदा लोटा भी नहीं
कर्म का लोटा भी नहीं
जल की लोटा भी नहीं
जलायी लोटा भी नहीं
यह भी
- (56) उत्तर लोटा भी नहीं
जूदा लोटा भी नहीं
- (57) ६ चालु जूदा लोटा भी नहीं
दूसरों को लोटा भी नहीं
जूदा लोटा भी नहीं
- (58) ६ चालु जूदा लोटा भी नहीं
जूदा लोटा भी नहीं
- (59) ६ चालु जूदा लोटा भी नहीं
जूदा लोटा भी नहीं

(59)

—~~ચીત્તાનારાદેવાંશુભ્રાણા~~
 —~~સાધારણીયમાંશુભ્રાણા~~
 —~~કોટું જીએ કાનું કાનું~~

(60)

—~~બાળાનું ખૂબ દુષ્પાત્રી જાહેર~~
 —~~લેણું છુદુપ માટે બજેસે દાખાં જાહેર~~
 —~~દુઃખમાંથી જાણાં પુરુષ જાહેર~~
 —~~ગાયાં જાણાં કાનું કાનું~~

(61)

—~~દાઢાં સુધી મધુસુધી દુષ્પાત્રી~~
 —~~દાઢાં નાના વિનાના મધુસુધી~~
 —~~દાઢાં નાના વિનાના મધુસુધી~~
 —~~દાઢાં નાના વિનાના મધુસુધી~~

(62)

—~~ગાયાં માણાં દુષ્પાત્રી~~
 —~~ગાયાં દુષ્પાત્રી~~
 —~~ગાયાં દુષ્પાત્રી~~
 —~~ગાયાં દુષ્પાત્રી~~
 —~~ગાયાં દુષ્પાત્રી~~

(63)

—~~દાઢાં નાના વિનાના મધુસુધી~~
 —~~દાઢાં નાના વિનાના મધુસુધી~~
 —~~દાઢાં નાના વિનાના મધુસુધી~~

—~~દાઢાં નાના વિનાના મધુસુધી~~
 —~~દાઢાં નાના વિનાના મધુસુધી~~
 —~~દાઢાં નાના વિનાના મધુસુધી~~

(64)

66

— ପ୍ରମାଣିତ କରିବାକୁ ପାଇଁ ଏହାକିମ୍ବାନ୍ଦିରୀର ଅଧିକାରୀ

-~~50~~ 51 art

ପ୍ରମାଣିତ କାହାର ଦେଖାଯାଇଥାଏ

— କାନ୍ତିକାଳେ ପୁରୁଷଙ୍କରିମାନଙ୍କର

~~କରୁଣାମଧ୍ୟରେ ଜୀବନକୁ ଅବସ୍ଥା ପାଇ~~

~~କୃତ୍ୟାମ୍ବଦ୍ୟାନ୍ତରେ କରିବାରଙ୍କିରଣ~~

65

~~—or called as — danconis~~

— श्रीमद्भगवत्पूर्वालंकारस्तद्युपरिकेन्द्रियम् ॥

~~ପାତ୍ରମାନଙ୍କରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ କାମକାଳୀ~~

Wardha - 4 ...
Vidarbha, Wardha, Nagpur, Nashik, Ahmadnagar, Beed, Solapur, Ratnagiri, Kolhapur, Sangli, Junnar, Poona, Ahmednagar, Nasik, Dhule and

Chittagong *Chittagong* *Chittagong* *Chittagong* *Chittagong*

(66)

Pratishthan M. P. 1982

— କୁର୍ମାଦିନାମ୍ବଦୀ ପତିରେ ମହାବିଜ୍ଞାନ

— त्रिलोकानन्दसमाधियालयामाळी

— རྒྱྲ རྒྱྲ

କୁର୍ମାନ୍ତିପରମାତ୍ମାଦୀ

१०८ विश्वामित्र विश्वामित्र विश्वामित्र

Digitized by srujanika@gmail.com

— རྒྱྲୟ གླୁ དྲୁ ཉ གླୁ དྲୁ ཉ གླୁ དྲୁ ཉ གླୁ དྲୁ ཉ

—ଶାକରୀଦ୍ୟତ୍ୱରାକୁ ପ୍ରାଣିତଃ ନିର୍ମାଣ

68

(68) - गुरुदात्मकार्यप्रयोगस्य
- विद्यादात्मकार्यप्रयोगस्य
- शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च
- शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च
- शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च
- शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च

(69) - शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च
- शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च
- शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च
- शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च

(70) - शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च
- शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च
- शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च
- शब्दालभाषणस्य अन्यत्रैरुच्च

</div

(72) ~~સુધ્યે માણિય પણ કરી નાખી રહેતું~~
~~બેદાનથની જગત્તમાની અત્યારે કોઈ~~
~~ચેષ્ટાની વિના કરી નાખી રહેતું~~
~~જીવનથી જીવન આપી ચેલું~~
~~કંદું હેઠળ કરી નાખી રહેતું~~
~~સાથી પણ કુશી નાખી રહેતું~~

(73) ~~સંઘાતની માણિય જગત્તમાની રહેતું~~
~~કરું હોય એકીની જગત્તમાની નાખી રહેતું~~
~~બાળની માણિય જગત્તમાની રહેતું~~
~~ચેષ્ટાની વિના કરી નાખી રહેતું~~
~~દાનાની વિના કરી નાખી રહેતું~~

(74) ~~દુર્ગાભાગી જગત્તમાની રહેતું~~
~~દાનશોદી મંડાલ, ધુલે અને તથા શ્વામી~~
~~દુર્ગાભાગી જગત્તમાની રહેતું~~
~~દાનાની વિના કરી નાખી રહેતું~~
~~દુર્ગાભાગી જગત્તમાની રહેતું~~
~~દાનાની વિના કરી નાખી રહેતું~~

(75) ~~દુર્ગાભાગી જગત્તમાની રહેતું~~
~~દાનાની વિના કરી નાખી રહેતું~~
~~દુર્ગાભાગી જગત્તમાની રહેતું~~
~~દાનાની વિના કરી નાખી રહેતું~~
~~દુર્ગાભાગી જગત્તમાની રહેતું~~
~~દાનાની વિના કરી નાખી રહેતું~~

(76) ~~દુર્ગાભાગી જગત્તમાની રહેતું~~
~~દાનાની વિના કરી નાખી રહેતું~~
~~દુર્ગાભાગી જગત્તમાની રહેતું~~
~~દાનાની વિના કરી નાખી રહેતું~~

१८०९ श्रीकृष्णप्रसाद अमृत सरावनी

၁၃၅၂ မြန်မာပြည့်သော်မြန်မာရုပ်ပန် ၁၃၅၂

3902

(77) 30-22

Fig. 6

(77)

३०२२

३९०८

६ अन्तर्गतिक्रमेन्द्रियानुभवान्वय
स्थितिरूपादानानुभवान्वय

~~दीर्घा~~ ६०२६ चौकोल्लासि

(78)

६०२७ चौकोल्लासि

३०५२

६ चौकोल्लासि

४०१० वृषभान्वय

६ अन्तर्गतिक्रमेन्द्रियानुभवान्वय

४०११ अन्तर्गतिक्रमेन्द्रियानुभवान्वय

(79)

६०२८ चौकोल्लासि

६०२९ चौकोल्लासि

३००२

६०३० चौकोल्लासि

३००३

६ अन्तर्गतिक्रमेन्द्रियानुभवान्वय

४०३१ अन्तर्गतिक्रमेन्द्रियानुभवान्वय

(80)

६०३२ अन्तर्गतिक्रमेन्द्रियानुभवान्वय

४०३३ अन्तर्गतिक्रमेन्द्रियानुभवान्वय

६०३४ चौकोल्लासि

६०३५ चौकोल्लासि

३०५२

६ चौकोल्लासि

४०३६ अन्तर्गतिक्रमेन्द्रियानुभवान्वय

६ अन्तर्गतिक्रमेन्द्रियानुभवान्वय

४०३७ अन्तर्गतिक्रमेन्द्रियानुभवान्वय

६०३८ अन्तर्गतिक्रमेन्द्रियानुभवान्वय

(81)

(85)

८५ श्रीमद्भागवत् अधिकार

३०२२

२

परमात्मा ज्ञान विद्या एवं कर्मणा द्वये

द्वयमेव विद्यन्निवास

सर्वभूताणां उत्तमं च विद्या =

ज्ञानात्मकं विद्या विद्युत्प्रदाता

ज्ञानदाता विद्या विद्युत्प्रदाता

विद्युत्प्रदाता विद्या विद्युत्प्रदाता

(86)

स्थानि

विद्युत्प्रदाता विद्युत्प्रदाता विद्युत्प्रदाता

(87)

विद्युत्प्रदाता विद्युत्प्रदाता विद्युत्प्रदाता

(88)



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com